एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 02 (मार्च-अप्रैल, 2022)
www.lgrilrticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

जलवायु परिवर्तन और इसका कृषि पर असर

(*प्रदीप कुमार)
कृषि अर्थशास्त्र विभाग, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर
* pradeepagriculturaleconomics@gmail.com

प्रकृति आधारित कृषि प्रणाली किसी भी बाहरी रसायन या कार्बनिक उर्वरक को शामिल नहीं करती है इसे विभिन्न नामों से जाना जाता है जैसे; शून्य बजट प्राकृतिक खेती, प्राकृतिक कृषि, गाय आधारित प्राकृतिक खेती, शाश्वत खेती, रसायन मुक्त कृषि, आदि। भारत सरकार प्राकृतिक खेती को भारतीय प्राकृत कृषि नाम की योजना (BPKP) से बढ़ावा दे रही है

प्राकृतिक खेती के लाभ

खेती की लागत कम करता है, फसल में पानी की आवश्यकता को कम करता है, जलवायु परिवर्तन लचीला, खेती में जोखिम कम करता है व कृषि भूमि का कायाकल्प, नागरिकों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ भोजन ओर बढ़ती जरूरतों को रोकने में मदद करता है व सरकार के लिए उर्वरक और सब्सिडी का बोझ कम करता है

प्राकृतिक खेती के लिये किये गए प्रयास

- परम्परागत कृषि विकास योजना (PKVY)

एक समर्पित ऑनलाइन वेब पोर्टल- www.Jaivikkheti.in

- भारतीय प्राकृत कृषि योजना (BPKP)
- नमामि गंगे

1657 ग्राम पंचायत उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार झारखंड और पश्चिम बंगाल में गंगा नदी के किनारे, जैविक खेती के विकास के लिए प्रयास किये जा रहे है

- बड़े क्षेत्र प्रमाणन (LAC)

पारंपरिक जैविक खेती के तहत बड़े सन्निहित क्षेत्र जो बिना सिंथेटिक इनपुट / रासायनिक इनपुट वाले सिस्टम वाली खेती कर रहे ह उनको एलएसी के तहत प्रमाणित जैविक घोषित करते हैं

बजट घोषणा

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिय पहले चरण में गंगा नदी के किनारे 5 किलोमीटर के चौड़ा गलियारा मे किसानों की जमीन पर फोकस किया जाएगा।

"राज्यों को कृषि विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा प्राकृतिक खेती, शून्य बजट और जैविक खेती, आधुनिक कृषि, मूल्य संवर्धन औरप्रबंधन जरूरतों को पूरा किया जा सके"

मिशन के तहत प्रस्तावित कार्यान्वयन

राष्ट्रीय संचालन समिति

↓

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति

↓

प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन (BPKP)

↓

प्राकृतिक खेती के लिए 'उत्कृष्टता केंद्र' और 'ज्ञान भंडार' के रूप में प्रबंधित करें

↓

राज्य परियोजना मिशन इकाइयां	ब्लॉक स्तरीय क्लस्टर	मॉडल केंद्र के रूप में K.V.K	प्रमाणन और प्रशिक्षण के लिए NCOP

मिशन के तहत प्रस्तावित कार्यान्वयन (राज्य स्तर पर)

राज्य स्तरीय मंजूरी समिति राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई	मिशन प्रमुख, तकनीकी विशेषज्ञ	तकनीकी K.V.K / SUs

↓

जिला स्तरीय पर आत्मा / राज्य संस्थाओं के माध्यम से कार्यान्वयन

↓

ब्लॉक स्तरीय समन्वयक

↓

100 हेक्टेयर के समूह

↓

चैंपियन किसान	प्रौद्योगिकी के रूप में K.V.K का सपोर्ट	सामुदायिक संसाधन व्यक्ति

प्राकृतिक खेती की रूपरेखा पर हितधारक परामर्श

- प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन की संभावित रूपरेखा
- प्राकृतिक खेती पर उत्कृष्टता और ज्ञान का केंद्र बनने के लिए भूमिका और जिम्मेदारियां
- किसान के क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय संस्थागत ढांचे का विकास
- बाजार के विकास और बाजार के अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करने के लिए उपभोक्ता जागरूकता
- प्राकृतिक खेती के लिए अभ्यास के पैकेज का निरूपण